क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 54, सोमवार, 18 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर का हुआ निधन

पणजी। गोवा के सीएम मनोहर पर्रिकर का निधन हो गया है। ६३ वर्षीय पर्रिकर लंबे समय से कैंसर से गंभीर तौर पर जूझ रहे थे। शनिवार शाम गोवा विधानसभा के डेप्युटी स्पीकर माइकल लोबो ने भी कहा था, उनके (मनोहर पर्रिक्कर) के ठीक होने के चांस बिल्कुल नजर नहीं आ रहे हैं। लोबो ने कहा था, पर्रिकर की हालत कल रात से ही लगातार खराब हो रही है, इसलिए आपातकालीन बैठक बुलाई गई है। डॉक्टर लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए हैं, लेकिन वह (डॉक्टर) ऐसा नहीं कह रहे हैं कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। बता दें कि वह लंबे समय से इस बिमारी से जूझ रहे थे। बीते दिनों उन्हें खून की उल्टी होने की बात भी सामने आई थी। गौरतलब है कि फरवरी २०१८ में पर्रिकर को पैंक्रियाटिक कैंसर की पहचान हुई थी। वह गोवा, मुंबई, दिल्ली और न्यू यॉर्क के अस्पतालों में इलाज करा चुके हैं। जिन दिनों वह बेहद बीमार थे, तब वह राज्य की विधानसभा में २०१९-२० का बजट पेश करने आए थे। इस दौरान उन्होंने बेहद आत्मविश्वास से कहा था, मैं जोश में भी हूं और होश में भी हूं। ये उनकी कार्यशैली का कही कमाल था कि जैसे ही नरेन्द्र मोदी पीएम बने, उन्होंने रक्षामंत्री जैसा अहम पद मनोहर पर्रिकर को सौंपा। हालांकि बाद में उन्हें फिर से गोवा की राजनीति में लौटना पड़ा। इसके कुछ दिनों बाद ही वह बीमार हो गए। उनकी बीमारी के साथ ही गोवा में भारी राजनीतिक उथल पुथल मची हुई है। कांग्रेस ने गोवा में सरकार बनाने का दावा पेश किया हुआ है।

यूपी के चार दिवसीय दौरे पर प्रियंका लखनऊ में

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की तैयारियों की समीक्षा के लिये पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चार दिवसीय दौरे पर रविवार सुबह लखनऊ पहुंची। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजबब्बर और नसीमुद्दीन सिद्दिकी समेत कई दिग्गज नेताओं ने हवाई अड्डे पर वाड्रा की आगवानी की। कांग्रेस महासचिव पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर कांग्रेस नेताओं के साथ कई चरणों में बैठक कर लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेंगी। वाड्रा पार्टी के विधायकों और लोकसभा के समन्वयकों समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के नेताओं से बातचीत करेंगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस महासचिव देर शाम प्रयागराज के लिये रवाना हो जायेंगी जहां से वह तीन दिनो तक स्टीमर से 140 किमी की गंगा यात्रा को पूरा करेंगी। इससे पहले वाड्रा के यूपी दौरे को लेकर पार्टी में असमंजस के हालात बने हुये थे लेकिन शनिवार देर शाम प्रयागराज जिला प्रशासन से गंगा यात्रा की अनुमति मिलने के बाद दौरे को हरी झंडी मिल गयी।

बिहार: भाजपा-जदयू और लोजपा के बीच सीटों का बंटवारा

पटना। लोकसभा चुनावों को लेकर बिहार में एनडीए गठबंधन ने सीटों का बंटवारा कर लिया। इस गठबंधन में भाजपा, जदयू और लोजपा शामिल हैं। 2014 लोकसभा चुनाव में 22 सीट जीतने वाली भाजपा इस बार पटना साहिब, पाटलिपुत्र, मुजफ्फरपुर, आरा समेत 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। जदयू के प्रदेशाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा भाजपा 17 भाजपा 17 सीट, जदयू 17 सीट और लोजपा 6 सीट पर पूरे राज्य में चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा जदयू वाल्मिकी नगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सिवान, भागलपुर, किशनगंज, सुपौल, कटिहार, मुंगेर, जहानाबाद, नालंदा, कटिहार, गोपालगंज, मधेपुरा, बांका, गया और काराकट लोकसभा क्षेत्र में अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतारेगी। भाजपा पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महराजगंज, सारण, उजियारपुर, औरंगाबाद, सासाराम, बक्सर, आरा, बेगूसराय, पटना साहिब और पाटलीपुत्र क्षेत्र से चुनाव लड़ेगी। वहीं, लोजपा को छह सीटें दी गई है। लोजपा वैशाली, हाजीपुर, समस्तीपुर, खगड़िया, जमुई और नवादा सीट पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। शनिवार की रात तक भागलपुर, अररिया और कटिहार पर ही गतिरोध बना हुआ था। हालांकि, सुबह तक औरंगाबाद, सीवान, दरभंगा, कटिहार, महाराजगंज, गया, शिवहर को लेकर खींचतान चल रही थी। पिछले तीन दिनों में आधा दर्जन से अधिक बैठकों के बाद भाजपा ने 16 और जदयू ने 15 सीटों की लिस्ट तैयार कर ली थी। इनमें भागलपुर, अररिया और कटिहार पर ही गतिरोध बना रहा। देर रात सारी सीटों पर निर्णय हो गया।

विधानसभा चुनाव

कांग्रेस ने यूपी में किया अपना दल से गठबंधन, 2 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में अपना दल के साथ गठबंधन किया है और उसे दो सीटें पीलीभीत और गोंडा दी हैं। अपना दल हालांकि फूलपुर की सीट की मांग भी कर रहा है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के अपना दल (एस) के भाजपा के साथ तालमेल के एक दिन बाद कांग्रेस ने अपना दल को दो सीटों गोंडा और पीलीभीत दी हैं हालांकि अपना दल फूलपुर की सीट भी मांग रहा है। अपना दल की उत्तर प्रदेश इकाई की अध्यक्ष पल्लवी पटेल ने पीटीआई-भाषा से कहा,''यह स्पष्ट है कि गठबंधन हो चुका है।

कांग्रेस ने हमें दो सीटें दी हैं, हालांकि हम फूलपुर की सीट की भी मांग रहे हैं। बातचीत चल रही है।'' इससे पहले अपना दल प्रवक्ता आरबी सिंह पटेल ने कहा कि फूलपुर सीट की मांग की जा रही है क्योंकि यह क्षेत्र हमारी पार्टी के संस्थापक सोनेलाल पटेल की कर्मस्थली रहा है।'' उन्होंने यह दावा भी किया कि कृष्णा पटेल वाला अपना दल ही सोनेलाल पटेल द्वारा गठित मूल पार्टी है और उसे पटेल एवं दूसरे पिछड़े वर्गों का समर्थन हासिल है। उनकी मां कृष्णा पटेल की अगुवाई वाले अपना दल ने कांग्रेस से हाथ मिलाया है। वाले अपना दल ने कांग्रेस से हाथ मिलाया है। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक कृष्णा पटेल ने शनिवार शाम पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा एवं ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की जिसमें गठबंधन को अंतिम रूप दिया गया। गठबंधन के तहत

भाजपा ने आंध्रप्रदेश और अरुणाचल के लिए जारी की पहली सूची

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आंध्रप्रदेश विधानसभा के 123 और अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 54 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की अध्यक्षता में शनिवार शाम हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरण रिजीजू की उपस्थिति में इन नामों को मंजूरी दी गई थी। भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने बिहार, उत्तराखंड, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और अंडमान निकोबार के उम्मीदवारों के बारे में भी चर्चा की थी। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू मुक्तो विधानसभा सीट से चुनाव लड रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश में 175 और आंध्रप्रदेश में 60 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहा है।

चुनाव आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक, 11 अप्रैल को पहले चरण में 20 राज्यों की 91 लोकसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण में 18 अप्रैल को 13 राज्यों की 97 सीटों के लिए मतदान होगा। तीसरे चरण में 14 राज्यों की 115 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। चौथे चरण में 29 अप्रैल को नौ राज्यों की 71 सीटों के लिए मतदान होगा।

पांचवें चरण में छह मई को सात राज्यों की 51 लोकसभा सीटों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। छठा चरण 12 मई को होगा जिसमें सात राज्यों की 59 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। सातवें चरण का मतदान 19 मई को होगा जिसमें आठ राज्यों की 59 सीटों के लिए वोटिंग होगी। सभी सीटों पर मतगणना 23 मई को होगी।

मोदी ने 100 संसदीय सीटों में रैलियों, पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया : भाजपा

नई दिल्ली।

भाजपा ने रविवार को कहा कि 10 मार्च को लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक प्रचार अभियान की शुरूआत नहीं की है लेकिन वह पहले ही पिछले कुछ हफ्तों में 22 राज्यों की 100 से ज्यादा संसदीय सीटों पर जन सभाओं या भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर चुके हैं। पार्टी के मीडिया प्रमुख और राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी ने कहा कि पार्टी ने 'मेरा परिवार', 'भाजपा परिवार', विजय संकल्प रैलियों जैसे कार्यक्रमों के जरिए हाल में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों से संपर्क किया है। मोदी ने अपने अभियान में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पार्टी कार्यकर्ता और अपनी सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया है। वहीं पार्टी अध्यक्ष अमित शाह ने 130 संसदीय क्षेत्रों में मतदान केंद्र कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, सोशल मीडिया स्वयंसेवकों से बातचीत की और जनसभाएं कीं। भाजपा ने कहा कि मोदी ने लोकसभा चुनावों की घोषणा से पहले ही लोगों से संपर्क करने का अभियान शुरू किया। इसकी शुरूआत उन्होंने दिसंबर के आखिरी हफ्ते में अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में एक रैली से की। वह देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर चुके हैं और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए भी लोगों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया है। शाह ने अपने अभियान की शुरूआत पांच जनवरी को त्रिपुरा की यात्रा से की और वह सात मार्च तक 45 से ज्यादा जनसभाएं कर चुके हैं। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा किए जाने के बाद मोदी और शाह ने अपने अभियान की शुरूआत नहीं की है। बलूनी ने जोर दिया कि लोग मोदी तथा भाजपा के लिए भारी समर्थन प्रदर्शित कर रहे हैं।

बलरामपुर में आग लगने से एक दर्जन घर राख

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के जरवा कोतवाली क्षेत्र में रविवार को एक गांव में आग लगने से 12 घर और उनमें रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बसंतपुर गांव में पुआल में आग लगने के बाद उसकी चिंगारियां हवा में उड़कर गुलाम वारिस के घर तक पहुंची और उसमें आग लग गयी। आग ने विकराल रूप लिया और देखते ही देखते 11 अन्य घरों को भी चपेट में ले लिया। बड़ी मुश्किल से लोगों ने आग पर काबू पाया उन्होंने बताया कि अग्निकांड में गुलाम वारिस, मैनुद्दीन, बड़ी मुश्किल से लोगों ने आग पर काबू पाया उन्होंने बताया कि अग्निकांड में गुलाम वारिस, मैनुद्दीन, साधु रमेश कुमार, बाबूराम, रामसमुझ, संत गुलाम, घनश्याम, रामकिशुन, संजय कुमार और मोहम्मद आरिफ समेत 12 लोगों के घर और सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ितों को क्षतिपूर्ति के लिये राजस्व टीम उन्हें हुये नुकसान का आकलन कर रही है।

तेलंगाना : कांग्रेस का 8वां विधायक टीआरएस में शामिल

हैदराबाद।

तेलंगाना में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस का संकट रविवार को और बढ़ गया, जब पार्टी के एक और विधायक ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में शामिल होने का निर्णय ले लिया। वनामा वेंकटेश्वरा राव ने मुख्यमंत्री और टीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात के बाद घोषणा की कि वह सत्ताधारी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। वनामा राव विधानसभा में कोठागुडम सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं और वह इस महीने कांग्रेस छोड़कर टीआरएस में शामिल होने वाले आठवें विधायक हैं। इसके साथ ही 119 सदस्यीय विधानसभा में विपक्षी पार्टी के सदस्यों की संख्या घटकर 11 पर आ गई है। कांग्रेस ने सात दिसंबर को हुए विधानसभा चुनाव में 19 सीटें जीती थी। इसके साथ ही कांग्रेस विधानसभा में मुख्य विपक्ष का दर्जा खो सकती है, क्योंकि इसके लिए सदन में सदस्यों की संख्या का कम से कम 10 प्रतिशत होनी चाहिए। खबर है कि चार और विधायक टीआरएस के संपर्क में हैं, लिहाजा पार्टी छोड़ चुके विधायक विधानसभा अध्यक्ष से संपर्क कर इसे कांग्रेस विधायक दल का टीआरएस के साथ विलय के रूप में मान्यता देने का आग्रह कर सकते हैं। यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई विधायक पार्टी छोड़ते हैं, तो उन्हें दलबदल कानून के तहत अयोग्य नहीं करार दिया जा सकता, बल्कि उन्हें एक अलग समूह के रूप में मान्यता दी जा सकती है। लगभग हर दिन एक विधायक के पार्टी छोड़ने से राज्य में 11 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान से पहले कांग्रेस पूरी तरह निराश दिखने लगी है। कांग्रेस ने टीआरएस पर आरोप लगाया है कि उसने विपक्ष को खत्म करने की साजिश रची है। कांग्रेस विधायक दल के नेता मालू भट्टी विक्रमार्का ने टीआरएस सरकार को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह राज्य को अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक तरीके से चला रही है। पार्टी ने सोमवार को राज्यपाल ई.एस.एल. नरसिम्हन से मुलाकात कर इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपने की योजना बनाई है।

सामान्य वर्ग आरक्षण का उद्देश्य गरीबों को सशक्त बनाना :गहलोत

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री थावर चंद गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार का आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को 10 फीसदी आरक्षण देने का उद्देश्य गरीबों को सशक्त करना है न कि चुनावी लाभ लेना जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है। उन्होंने दावा किया कि नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने सामान्य वर्ग के गरीबों को आरक्षण देने का प्रयास किया था लेकिन समुचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार ने काफी समय से लंबित इस मांग को पूरा किया क्योंकि वह इस मुद्दे को लेकर प्रतिबद्ध है और देश के लोगों को धोखा नहीं देना चाहती। भाजपा में दलित चेहरा और केंद्रीय मंत्री ने कहा, सामान्य वर्ग के गरीब लंबे समय से अपने लिए आरक्षण की मांग कर रहे थे जैसा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को मिलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने उनके साथ न्याय किया।' उन्होंने कहा कि सरकार ने उच्चतम न्यायालय द्वारा तय आरक्षण की अधिकतम 50 फीसदी की सीमा का किसी तरह उल्लंघन नहीं किया है क्योंकि यह सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ावर्ग पर लागू होती है, और न ही इसकी इन श्रेणियों को मौजूदा आरक्षण में किसी तरह के हस्तक्षेप की मंशा है।

उन्होंने कहा, हमनें उचित प्रक्रिया का पालन किया और सामान्य वर्ग के आरक्षण के लिए संवैधानिक संशोधन किए।' गहलोत ने कहा, पी वी नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने सामान्य वर्ग को आरक्षण देने की कोशिश की थी लेकिन उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया जिसकी वजह से सर्वोच्च अदालत ने इसे खारिज कर दिया। केंद्र सरकार के फैसले पर रोक से इनकार करने का उच्चतम न्यायालय का हालिया फैसला यह दिखाता है कि हमारी प्रक्रिया संवैधानिक रूप से वैध है।' उन्होंने दावा किया कि इस कदम ने देश में मोदी के लिये अनुकूल माहौल बनाया। नई नौकरियों का सृजन नहीं कर पाई। उच्चतम न्यायालय की दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने सेवाओं और अन्य मुद्दों पर आदेश सुरक्षित रखा है जो किसी वक्त भी आ सकता है।

सपा-बसपा गठबंधन के लिये सात सीटें छोड़ेगी कांग्रेस

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) गठबंधन के लिये सात सीटें छोड़ने का ऐलान किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजबब्बर ने रविवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा सपा-बसपा-रालोद गठबंधन ने कांग्रेस का सम्मान करते हुये अमेठी और रायबरेली सीटों पर अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा करने का फैसला लिया था। मित्रता की इसी कड़ी को आगे बढाते हुये कांग्रेस भी गठबंधन के लिये प्रदेश की सात सीटों को छोड़ेगी। उन्होने कहा कि सपा सरंक्षक मुलायम सिंह यादव के अलावा डिंपल यादव, अक्षय यादव के सम्मान में कांग्रेस क्रमशः मैनपुरी, कन्नौज और फिरोजाबाद में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करेगी। इसके अलावा बसपा सुप्रीमो मायावती जिस सीट से चुनाव लड़ेंगी,वहां कांग्रेस का उम्मीदवार घोषित नहीं किया जायेगा। साथ ही रालोद अध्यक्ष अजित सिंह और उपाध्यक्ष जयंत चौधरी भी जिस सीट से चुनाव लड़ना चाहेंगे, उन जगहों पर उन्हे कांग्रेस का सामना नहीं करना पडेगा। एक अन्य सीट के बारे में जल्द ही खुलासा किया जायेगा। शिवपाल सिंह यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) से तालमेल ना करने के सवाल पर बब्बर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को केन्द्र की सत्ता से दूर रखने की हर मुमकिन कोशिश की जायेगी।

इस रणनीति के तहत जमीनी नेताओं को साथ लिया जायेगा और ऐसे किसी भी दल अथवा नेता का साथ कांग्रेस हरगिज नहीं देगी जिससे जाने अनजाने मे भाजपा को लाभ मिलता हो। जिससे जाने अनजाने मे भाजपा को लाभ मिलता हो। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस जन अधिकार पार्टी (जअपा) के साथ सात सीटों के लिये गठबंधन करेगी। इसके तहत पांच सीटो पर जन अधिकार पार्टी अपने चुनाव चिन्ह पर चुनाव लडेगी जबकि दो पर उसके उम्मीदवार कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव मैदान पर उतरेंगे। जअपा महासचिव आईपी कुशवाहा की मौजूदगी में बब्बर ने कहा कि झांसी, चंदौली,एटा, बस्ती और एक अन्य सीट पर जअपा उम्मीदवार किस्मत आजमायेंगे जबकि गाजीपुर एवं एक अन्य पर उसके उम्मीदवार कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरेंगे।

संपादकीय

चीन का हाथ आतंक के...

चीन ने भारतीय हितों और अंतरराष्ट्रीय जनमत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान में पल रहे आतंकी सरगना मसूद अजहर का बचाव करके यही साबित किया कि वह भारत को नीचा दिखाने के लिए किसी भी हद तक जाने और यहां तक कि आतंकवाद की तरफदारी करने को भी तैयार है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मसूद अजहर का चौथी बार बचाव करके यही दिखाया कि वह अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए विश्व व्यवस्था को खतरे में भी डाल सकता है। चीन के गैर-जिम्मेदाराना रवैये को देखते हुए इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि वह भारत के खिलाफ पाकिस्तान का न केवल इस्तेमाल करता रहेगा, बल्कि उसे उकसाता भी रहेगा। यह चीन की चालबाजी के अलावा और कुछ नहीं कि उसे मसूद अजहर के खिलाफ और सुबूत चाहिए। जो सुबूत दुनिया के अन्य देशों को मान्य हैं वे अगर चीन को अपर्याप्त दिख रहे तो इसीलिए, क्योंकि वह भारतीय हितों को चोट पहुंचाना चाह रहा है। वह प्रतिस्पर्धा करने के बजाय भारत की राह में रोड़े बिछा रहा है। इसी कारण एक ओर वह आतंकी सरगना के साथ खुल कर खड़े होना पसंद कर रहा और दूसरी ओर परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह यानी एनएसजी में भारत की सदस्यता में बाधक बन रहा है। यह हास्यास्पद है कि चीन को यह साधारण सी बात समझ में नहीं आ रही कि जिस आतंकी सरगना का संगठन संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रतिबंधित है उस पर भी पाबंदी लगना जरूरी है। चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों की परवाह करे, लेकिन वह खुद भारतीय हितों को तनिक भी चिंता नहीं कर रहा। चीन ने वुहान में बनी समझबूझ को जिस तरह ताक पर रख दिया उसके बाद भारत को इस पर नए सिरे से विचार करना ही होगा कि उसके अड़ियल रवैये से कैसे पार पाया जाए? यह सोच-विचार केवल सरकार को ही नहीं, राजनीतिक दलों और आम लोगों को भी करना होगा। इसके लिए कोई दीर्घकालीन रणनीति भी बनानी होगी। यह तब बनेगी जब राजनीतिक दल दलगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता प्रदान करेंगे। दुर्भाग्य से इसका ही अभाव दिख रहा है। समझना कठिन है कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी इस नतीजे पर कैसे पहुंच गए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीनी राष्ट्रपति से भयभीत हैं। क्या चीनी राष्ट्रपति को भला-बुरा कहने से चीन सही रास्ते पर आ जाएगा? डोकलाम विवाद के समय गुपचुप रूप से चीनी राजदूत से मिलने वाले राहुल को इसका थोड़ा तो ज्ञान होना ही चाहिए कि विदेश नीति और कूटनीति कैसे काम करती है? आखिर यह मोदी सरकार की ही कूटनीति थी कि चीन डोकलाम से पीछे हटने को राजी हुआ। इसी तरह अगर इस बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहीं अधिक देशों ने मसूद अजहर पर पाबंदी के प्रस्ताव का समर्थन किया तो यह भी भारतीय कूटनीति की कामयाबी ही है। इसमें दोराय नहीं कि चीन ने अमैत्रीपूर्ण व्यवहार किया है, लेकिन आखिर इसका क्या मतलब कि उससे पार पाने को लेकर हमारे राजनीतिक दलों के बीच कलह नजर आए? कूटनीतिक मसलों पर इस कलह से तो चीन और पाकिस्तान को ही फायदा होगा।

ट्वीट

घोषणा

आम चुनाव की घोषणा हो गई है। राजनीतिक पार्टियां अपनी राजनीति, कार्यक्रम और घोषणा पत्र के आधार पर जनादेश मांगेंगी। फिर जनता को मन बनाना/जनादेश देना है। बाकी सब बकवास है। इसलिए अभी थोक के भाव आने वाले ओपिनियन पोल के झांसे में आने की जरूरत नहीं है कि ये या वो जीत रहे हैं। समझे न?

आनंद प्रधान

नारों के हिंडोले और हमारी हकीकत

शशि शेखर

अपनी 72 साला आजादी में भारत ने कुलजमा 16 आम चुनाव देखे हैं। इसके बावजूद सवाल कायम है कि हमारा लोकतंत्र सही दिशा में बढ़ रहा है या नहीं? क्या वजह है कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने विशाल आकार को अभी वांछित प्रकार से व्यवस्थित नहीं कर सका है? बताने की जरूरत नहीं कि आजादी के बाद पहला आम चुनाव 1951-52 में हुआ था। उस समय हिन्दुस्तान का चेहरा-मोहरा अलग था। जवाहरलाल नेहरू भले ही अपने को लोकतंत्र का मुखिया मानते रहे हों, पर हकीकत यह है कि पूरे देश में राजे-रजवाड़ों, जमींदारों और भूपतियों का दबदबा बरकरार था। उस चुनाव में कुल 17.3 करोड़ मतदाता पंजीकृत हुए थे, जिनमें से 44.87 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे। तब की 489 सीटों के लिए हुए चुनाव में 53 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया था और कुलजमा 1,874 प्रत्याशी मैदान में आ डटे थे। भारत उन दिनों निर्धन हुआ करता था। हमारी प्रति व्यक्ति सालाना आय थी 7,651 रुपये और साक्षरता दर भी मात्र 18.33 प्रतिशत होती थी। कांग्रेस ने 489 में से 364 सीटें जीतकर सरकार बनाई और उसी साल जवाहरलाल नेहरू ने जमींदारी प्रथा खत्म कर दी। तब लगा था कि भारतीय लोकतंत्र आज नहीं तो कल, वाजिब स्वरूप को हासिल कर सकेगा, क्योंकि आगे जो सरकारें चुनी जाएंगी, वे सही अर्थों में जनता के लिए, जनता द्वारा निर्वाचित की जाएंगी। हमारे पुरखों को उस लम्हे में गुमान न रहा होगा कि रजवाड़ों से तो मुक्ति मिल रही है, पर राजनीति में नए दलपतियों का वक्त आने वाला है। आज देश का कोई हिस्सा ऐसा नहीं है, जहां इन राजनीतिक खानदानों का सिक्का न चलता हो। तब से अब तक देश की नदियों में बहुत पानी बहा और भारत की जनसंख्या वृद्धि के साथ आमदनी बढ़ी। अगर 2014 के चुनावों को याद करें, तो 83.4 करोड़ मतदाता पंजीकृत किए गए थे, जिनमें से 66.44 फीसदी ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इस बार 543 सीटों के लिए 464 पार्टियां और 8,251 प्रत्याशी मैदान में थे। देश की साक्षरता दर ने भी 74.04 फीसदी का मुकाम हासिल कर लिया था। प्रति व्यक्ति सालाना आय भी एक लाख रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी थी। मौजूदा चुनाव यकीनन इस रिकॉर्ड को तोड़ने वाले साबित होंगे और यही वह मुकाम है, जो मुझे चिंतित करता है। हम चुनावों के कीर्तिमान तोड़ सकते हैं, जन समस्याओं के समाधान के नहीं। प्रसंगवश यहां सात चरणों के चुनाव का रोना रो रहे लोगों को बताता चलूं कि पहले चुनाव 68 चरणों में हुए थे और इन्हें संपन्न होने में चार महीने का वक्त लगा था। कांग्रेस ने उस समय 364 सीटें हासिल की थीं, जबकि 2014 के चुनाव में भाजपा 282 सीटों के साथ बहुमत पाने में सफल रही। 1957 से लेकर आज तक की तारीख उठाकर देख लीजिए, चाहे वे बहुमत की सरकारें रही हों या कई दलों के गठबंधन का जोर रहा हो या किसी खास शख्सियत का, तथ्य की बजाय कथ्य पर चुनाव जीते गए।

नेहरू ने कहा था- आराम हराम है। उनके अल्पजीवी उत्तराधिकारी लाल बहादुर शास्त्री ने 1965 की भारत-पाक जंग के दौरान जोशीला नारा उछाला था- जय जवान, जय किसान। 1971 में इंदिरा गांधी गरीबी हटाओ की उद्घोषणा के साथ मैदान में थीं, तो 1977 के चुनाव में इंदिरा हटाओ, देश बचाओ की अनुगूंज हमें सुनाई पड़ी। 31 अक्तूबर, 1984 को इंदिरा गांधी की शहादत के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस ने मार्मिक नारा उछाला- जब तक सूरज-चांद रहेगा, इंदिरा तेरा नाम रहेगा और राजीव गांधी 404 सीटों के अपरंपार बहुमत के साथ शीर्ष पर जा विराजे। बाद में 1996 में भाजपा ने जनता के नैराश्य को हवा देते हुए नारा दिया- सबको देखा बारी-बारी, अबकी बारी अटल बिहारी। पिछला चुनाव मोदी ने अच्छे दिन आने वाले हैं के नारे के साथ लड़ा और जीता। इस बार वह और उनके हमसाये बोल रहे हैं- मोदी है तो मुमकिन है। यहां सवाल उठना जायज है कि अब तक इन चुनाव जिताऊ नारों ने देश का कितना भला किया? आज भी भारत को आदर्श कार्यस्थल के तौर पर नहीं देखा जाता और न ही हमने गरीबी से मुक्ति पाई है। धार्मिक असहिष्णुता हमारा स्थाई रोग है और पाकिस्तान को हम अब तक काबू में नहीं ला सके। पाक समर्थक अलगाववादियों ने संसार की सबसे खूबसूरत सरजमीं कश्मीर को आग में झोंक रखा है। हालात इस कदर विषम हैं कि चुनाव आयोग वहां विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। यही नहीं, घाटी में पहली बार ऐसा हो रहा है कि सिर्फ एक लोकसभा क्षेत्र अनंतनाग में तीन चरणों में मतदान होगा। नौजवानों के लिए रोजगार सपना है, तो नारियों के लिए सम्मान। देश के करोड़ों लोगों के लिए रोटी, कपड़ा और मकान अलभ्य है। अगर इन अवसाद भरी स्थितियों की चर्चा करूं, तो बात खिंचती चली जाएगी, पर यह सच है कि लोक-लुभावन नारों ने नेताओं अथवा गठबंधनों का चाहे जितना फायदा किया हो, देश अब भी आशा और निराशा के बीच झूलने को बाध्य है। अब जब हम 17वीं लोकसभा के लिए वोट डालने जा रहे हैं, तो हमें यकीनन इस बात पर गौर करना होगा कि लगभग 80 फीसदी साक्षरता दर वाले इस देश को भावना के हिंडोलों में झूलना पसंद है, या फिर यथार्थ की धरती पर चलना? इटली के राष्ट्रवादी महानायक गैरीबाल्डी ने कभी कहा था- मुझे बात करने वाले लोगों की बजाय काम करने वाले लोग दीजिए। समय आ गया है, जब हम अपने नेताओं के काफिले रोककर उन्हें यह कथन याद दिलाएं। यकीन मानिए, इसी में हमारी मुक्ति निहित है। हम कब तक जोशीले नारों से उपजेअर्द्धसत्य के शिकार बनते रहेंगे?

ज्ञान गंगा

तीन महान तत्त्व

श्रीराम शर्मा आचार्य/ अमृत, पारस और कल्पवृक्ष यह तीनों महान तत्त्व सर्वसाधारण के लिए सुलभ हैं। हम जितना उनसे दूर रहते हैं उतने ही ये हमारे लिए दुर्लभ हैं परन्तु जब हम इनकी ओर कदम बढ़ाते हैं तो यह अपने बिल्कुल पास, अत्यन्त निकट आ जाते हैं। जिस ओर मुंह न हो उधर की चीजों का कोई अस्तित्व दृष्टिगोचर नहीं होता। पीठ पीछे क्या वस्तु रखी हुई है, इसका पता नहीं चलता, किन्तु उलट कर जैसे ही हम मुंह फेरते हैं वैसे ही पीछे की चीज दिखाई देने लगती है। यह स्पष्ट है कि जिधर हमारी प्रवृत्ति होती है, जैसी हम इच्छा और आकांक्षाएं करते हैं, उसी के अनुरूप, वस्तुएं भी उपलब्ध हो जाती हैं। कहने को तो सभी कोई सुखदायक स्थिति में रहना और दुःखदायक स्थिति से बचना चाहते हैं, परन्तु यह हीन वीर्य चाहना, शेखचिल्ली के मनसूबों की तरह निष्फल और निर्थक सिद्ध होती है। सच्ची चाहना की कसौटी यह है कि अभीष्ट वस्तु को प्राप्त करने की लगन अंतःकरण की गहराई तक समाई हुई हो। आकांक्षा की तीव्रता का स्पष्ट सबूत अभीष्ट वस्तु को प्राप्त करने के प्रयत्न में भी जान से जुट जाना है। धुन का पक्का, निश्चित मार्ग का दृढ़ प्रतिज्ञ पथिक अपनी अविचल साधना के द्वारा ऊंचे से ऊंचे सुदूर लक्ष्य तक आसानी से पहुंच जाता है। इस विश्व में कोई वस्तु ऐसी नहीं है कि मनुष्य सच्चे मन से इच्छा करने पर भी उसे प्राप्त न कर सके। लोभवश अनावश्यक वस्तुओं के संचय की लालसा में प्रकृति के नियम कुछ बाधक भले ही बनें, परन्तु आत्मिक सद्गुणों के विकास द्वारा सात्विक आनन्द प्राप्त करने की आकांक्षा तो सर्वथा उचित और आवश्यक होने के कारण पूर्णतया सरल है, उसकी पूर्ति में ईरीय सहायता प्राप्त होती है। आत्म-कल्याण करने वाले सत् प्रयासों में भगवान सदा ही अपना सहयोग देते हैं। अमृत, पारस और कल्पवृक्ष मनुष्य के लिए पूर्णतया सुलभ हैं बशत्रे कि उन्हें प्राप्त करने का सच्चे मन से प्रयत्न किया जाए। अपने अविनाशी होने का दृढ़ विास चिंतन और मनन द्वारा अपनी अंतः चेतना में भली प्रकार बिठाया जा सकता है। यह विास इतना मजबूत होना चाहिए कि जीवन के किसी भी प्रश्न पर विचार किया जाए तो उस समय यह भरोसा स्पष्ट रूप से बीच में उपस्थित हो कि-यह जीवन, हमारे महा जीवन, अनंत जीवन का अंश मात्र है। महा जीवन के लाभ-हानि को प्रधानता देने की नीति के आधार पर जीवन की गुत्थियों को सुलझाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

पढ़ते-पढ़ते बनी प्रेरक वक्ता

जान्हवी पवार बाल प्रतिभा

जान्हवी का अंदाज बचपन से निराला था। उनके पापा ब्रजमोहन पवार हरियाणा के पानीपत के एक गांव में स्कूल टीचर थे। आस-पास के इलाके में ठेठ हरियाणवी बोलने का चलन था। यहां तक कि स्कूल में टीचर भी हरियाणवी अंदाज में हीं हंदी बोलते थे, पर नन्ही जान्हवी ने तीन साल की उम्र में ही अंग्रेजी में गिटपिट करना सीख लिया। गांववालों के लिए यह बड़ी अजीब बात थी। यह वाकया वर्ष 2007 का है। तब जान्हवी तीन साल की भी नहीं हुई थीं। पापा नर्सरी कक्षा में उनके दाखिले की तैयारी कर रहे थे। उन दिनों वह उसे घर पर अंग्रेजी और हंदी के अक्षर सिखा रहे थे। ब्रजमोहन बताते हैं, वह एक बार में ही अंग्रेजी शब्दों को याद कर लेती थी। तीन साल की उम्र में उसे सैकड़ों अंग्रेजी के शब्द याद हो गए। मैंने उसे अंग्रेजी सीखने के लिए प्रेरित किया। पर कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने लगेगी। नर्सरी क्लास में वह कक्षा के बाकी बच्चों से काफी आगे थीं। क्लास की किताबों में ऐसी कोई चीज नहीं, जो उन्हें न आती हो। टीचर बच्ची की प्रतिभा देखकर हैरान थे। इस बीच पापा ने स्कूल प्रबंधन से बात की। उन्होंने कहा कि जब बच्ची को पहले से सब कुछ आता है, तो पूरे साल उसी क्लास में पढ़ाने से क्या फायदा? टीचर ने उन्हें अगली कक्षा में भेजने की सिफारिश की। इस तरह तीन साल की उम्र में ही वह नर्सरी पास करके केजी में आ गईं। इस कक्षा में उम्र के लिहाज से वह सबसे छोटी थीं। यहां भी पढ़ाई के मामले में वह कक्षा में बाकी बच्चों से बहुत आगे थीं। क्लास में जो कुछ पढ़ाया जाता, वह झटपट याद कर लेतीं। जान्हवी कहती हैं, क्लास में हमेशा से मुझसे बड़ी उम्र के बच्चे होते थे। कई बार वे मेरी हंसी उड़ाते थे। कुछ बच्चों को मुझसे ईर्ष्या भी होती थी, पर टीचर्स ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया।

जान्हवी जब कक्षा एक में थीं, तब उन्होंने शुरुआती एक महीने में ही पूरे साल का कोर्स तैयार कर लिया। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के समय उनके लिए वार्षिक परीक्षा के प्रश्न-पत्र तैयार किए गए। उन्होंने सारे प्रश्न-पत्र हल करके सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल किए। स्कूल प्रबंधन ने उनकी कॉपी देखी और तय किया गया कि उन्हें कक्षा दो में भेज दिया जाए। उसी साल उन्होंने सीधे कक्षा दो की वार्षिक परीक्षा दी और अच्छे अंक से पास होकर कक्षा तीन में पहुंच गईं। टीचर को हैरानी तब होती थी, जब एक क्लास जंप करने के बाद भी वह नई कक्षा में बाकी बच्चों से आगे निकल जाती थीं। ब्रजमोहन कहते हैं, जान्हवी बहुत एकाग्रचित है। जब उसकी उम्र के बच्चे खेल-कूद में समय बिताते थे, तब वह किताबों में खोई रहती थी। उसने 13 साल की उम्र में 12वीं कक्षा पास कर ली। इस बीच पूरे पानीपत में इस पढ़ाकू लड़की की चर्चा होने लगी। लोग उन्हें वंडरगर्ल कहने लगे। जान्हवी कहती हैं, पापा ने मेरे लिए काफी मेहनत की। सीमित कमाई के बावजूद उन्होंने मेरी पढ़ाई में कमी नहीं आने दी। उन्होंने मुझे प्रेरित किया। बेटी की तारीफ सुनकर पापा फूले नहीं समाते थे। ब्रजमोहन कहते हैं, हम ग्रामीण क्षेत्र से हैं। मुझे और मेरी पत्नी को अंग्रेजी बोलनी बिल्कुल नहीं आती है। यहां तक कि उसके स्कूल टीचर भी हरियाणवी स्टाइल में हंदी बोलते थे। पर मैं चाहता था कि मेरी बेटी अंग्रेजी बोले। मैंने गूगल से अंग्रेजी भाषणों के कई वीडियो डाउनलोड करके उसे सुनाए। नौ साल की उम्र में वह आठ अलग-अलग लहजे में अंग्रेजी बोलने लगी। उन्हें कई विदेशी चैनलों पर एंकरिंग करने का मौका दिया गया। जान्हवी ने अमेरिकी, ब्रिटिश और कनाडाई लहजे में अंग्रेजी बोलकर लोगों को अचंभित कर दिया। पानीपत के स्कूल से 12वीं पास करने के बाद पिछले साल वह दिल्ली आ गई। 14 साल की उम्र में उन्होंने दिल्ली के कॉलेज में दाखिला लिया। इस बीच उन्हें कई प्रेरक हस्तियों के भाषण सुनने का मौका मिला। उन्होंने पापा से कहा कि मैं भी प्रेरक वक्ता बनना चाहती हूं। जान्हवी बताती हैं, पापा ने मुझे कई मशहूर हस्तियों की किताबें लाकर दीं। उन्हें पढ़कर मुझे लगा कि मैं प्रेरक भाषण दे सकती हूं। मुझे हरियाणा में आईएएस अफसरों की एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने का मौका मिला। वहां सबने मेरे भाषण को बहुत पसंद किया।

मौजूदा समय में वह दुनिया के 12 अलग-अलग लहजे में अंग्रेजी बोल सकती हैं। सबसे बड़ी खूबी यह है कि जितनी अच्छी अंग्रेजी बोलती हैं, उतनी ही ठेठ हरियाणवी भी। बोलने का अंदाज कुछ ऐसा है कि लगता ही नहीं कि वह सिर्फ 15 साल की हैं। आजकल जान्हवी देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर प्रेरक भाषण दे रही हैं। उन्हें आठ राज्यों के शिक्षण संस्थानों में छात्रों को संबोधित करने के लिए बुलाया जा चुका है। इस बीच उन्होंने सिविल परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। जान्हवी कहती हैं, मेरे पास करियर के तमाम विकल्प हैं, पर मैं आईएएस अफसर बनकर देश की सेवा करना चाहती हूं। पापा भी यही चाहते हैं। मुझे यकीन है कि मैं उनका सपना पूरा कर पाऊंगी।

प्रस्तुति- मीना त्रिवेदी

होली रंगों से मनाया जाने वाला एक बाहरी उत्सव भर नहीं है, यह आंतरिक उत्सव भी है। होली की पूर्व-रात्रि में जलने वाली होलीका जीवन से बोझिलता को भस्म कर देने का प्रतीक है तो अगला दिन रंगों के साथ जीवन में एक नए आनंद से खिल उठने का प्रतीक

खिल उठें नए रंगों के साथ

होली रंगों का त्योहार है। यह संसार कितना रंग भरा है। प्रकृति की तरह ही हमारी भावनाओं तथा संवेदनाओं का रंगों से संबंध है- क्रोध का लाल, ईर्ष्या का हरा, आनंद और जीवंतता के लिए पीला, प्रेम का गुलाबी, नीला विस्तृतता के लिए, शांति के लिए श्वेत, त्याग का केसरिया और ज्ञान का जामुनी। प्रत्येक मनुष्य रंगों का फव्वारा है। पुराण अनेक सुंदर उदाहरणों एवं कथाओं से युक्त हैं और यहां होली की एक कहानी है। राजा हिरण्यकश्यपु चाहता था कि सभी उसकी पूजा करें। किंतु उसका पुत्र प्रह्लाद भक्त था भगवान विष्णु का, जिनका वह राजा कट्टर शत्रु था। क्रोधित राजा चाहता था कि उसकी बहन होलिका, प्रह्लाद से छुटकारा दिलाए। अग्नि को सहन करने की शक्ति से युक्त होलिका, प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि के कुंड में बैठ गई। लेकिन होलिका जल गई, प्रह्लाद सुरक्षित रहा। हिरण्यकश्यपु स्थूलता का प्रतीक है तो प्रह्लाद भोलेपन, श्रद्धा एवं आनंद की प्रतिमूर्ति। चेतना को केवल भौतिकता के प्रेम तक ही सीमित नहीं रखा जा सकता।
हिरण्यकश्यपु चाहता था कि सम्पूर्ण आनंद भौतिक संसार से ही प्राप्त हो, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। जीवात्मा सदैव सांसारिक वस्तुओं के बंधन में नहीं रह सकती। स्वभावत-
वह 'नारायण', अपने उच्च की ओर आगे बढ़ेगी ही।
होलिका भूतकाल की बोझिलता की प्रतिनिधि है, जो प्रह्लाद के भोलेपन को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। किंतु प्रह्लाद नारायण की भक्ति में इतनी गहराई से स्थित है कि अपने सभी पुराने संस्कारों को, प्रभावों को मिटा देता है और आनंद से खिल उठता है नए रंगों के साथ। जीवन एक उत्सव बन जाता है। भूत की छाप को मिटा कर आप नई शुरुआत के लिए उद्यत होते हैं। आपकी भावनाएं आपको अग्नि की तरह जलाती हैं, किंतु जब वह रंगों की फुहार-सी हों तो आपके जीवन में रंग भर देती हैं। अज्ञानता में भावनाएं कष्टकारी हैं। ज्ञान में यही भावनाएं जीवन के भिन्न रंग हैं। होली की तरह जीवन भी रंगों से भरा होना चाहिए, न कि उबाऊ। जब सभी रंग स्पष्ट देखें जाएं, तब वह रंग भरा है, जब सभी रंग घुल जाते हैं, वह हो जाता है- 'काला'।
जीवन में हम विभिन्न भूमिकाएं निभाते हैं। प्रत्येक भूमिका एवं भावना स्पष्ट रूप से परिभाषित होनी चाहिए। अस्पष्ट भावनाएं कष्ट उत्पन्न करती हैं। जब आप एक पिता हैं, आपको पिता का पात्र निभाना है। कार्यस्थल पर आप पिता नहीं हो सकते। जब आप जीवन की विभिन्न भूमिकाओं को मिश्रित करते हैं, तब आप से गलतियां होनी शुरू होती हैं। आप अपने जीवन में जो भी पात्र निभा रहे हैं, पूर्ण रूप से उस ही में हों। विविधता में समन्वयता जीवन को अधिक जीवंत व रंग भरा बनाती है। जीवन में आप आनंद का जो भी अनुभव करते हैं, वह आपको स्वयं से ही प्राप्त होता है- जब आप वह सभी छोड़ कर शांत हो जाते हैं, जिसे आपने जकड़ा हुआ है।
यही ध्यान कहलाता है। ध्यान कोई क्रिया नहीं है, यह कुछ भी न करने की कला है। ध्यान में आपको गहरी नींद से भी अधिक विश्रम मिलता है, क्योंकि आप सभी इच्छाओं के पार होते हैं। यह मस्तिष्क को गहरी शीतलता देता है। यह मस्तिष्क शरीर तंत्र को पुनर्जीवन देने के समान है। उत्सव चेतना का स्वभाव है और वह उत्सव, जो मौन से प्राप्त होता है, वही वास्तविक है। यदि उत्सव के साथ पवित्रता को जोड़ दिया जाए तो पूर्ण हो जाता है। केवल शरीर तथा मन ही उत्सव नहीं मनाते, चेतना भी उत्सव मनाती है और उस स्थिति में जीवन रंगयुक्त हो जाता है।

मनुष्य और प्रकृति का सनातन रिश्ता रहा है। वर्ष भर अलग-अलग ऋतुएं उसके जीवन में तरह-तरह के रंग भरती रही हैं। इन सभी ऋतुओं में बसंत का खास महत्व है क्योंकि इस दौरान प्रकृति नवश्रृंगार कर जीवजगत में भी नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर देती है। खेतों में सरसों की पीली चादर बिछ जाती है, बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। समस्त जीवन उल्लास से परिपूर्ण हो जाता है। खेतों में गेहूं की बालियां इठलाने लगती हैं। संकोच और रूढ़ियों की दीवारें टूट जाती हैं। ढोलक-झांझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रं गों में डूब जाते हैं। चारों तरफ रंगों की फुहार फूट पड़ती है, खुशियों की बहार छा जाती है

मदमाता मदनोत्सव

प्रकृति ने मनुष्य को कई सौगातें दी हैं उन्हीं में मौसम भी एक है। प्रत्येक मौसम हमें प्रकृति के अनेक रूप दिखाता है और हमें नए सं देश भी देता है। वैसे तो हर मौसम अपने आप में विशेष होता है लेकिन उन सभी में वसंत के मौसम का अपना एक अलहदा अदांज होता है। फागुन का महीना और वसंत का मौसम जब साथ होते हैं, तो धरती की तुलना सजी-धजी दुल्हन से की जाने लगती है।

फागु न का खुमार

मीलों तक फैले पीली सरसों के खेत देख ऐसा लगता है कि जैसे धरती ने पीली चुनर ओढ़ रखी हो। पीले रंग से सजी संवरी यह दुल्हन रूपी वसंत अपने पति के आगमन की सूचना देती है। फागुन के महीने में आम की बौरों की मदमस्त गंध और पलाश के पेड़ों के साथ तन-मन बौरा जाता है। हर वर्ष फागुन का महीना आते ही सारा वातावरण जैसे रंगीन हो जाता है और हो भी क्यों न, खेतों में पीली सरसों लहलहाती है, पेड़ों पर पत्तों की हरी कोपलें और पलाश के केसरिया फूल। इन सब को देखकर मन भी अनायास ही रंगीन हो जाता है। ऐसा होता है फागुन का खुमार।

इंद्रधनुषी त्योहार

इस दौरान हिंदू धर्मावलंबी फाग महोत्सव भी मनाते हैं। जो इस मास की महिमा और बढ़ा देता है। रंगों का त्योहार होली भी फाल्गुन मास की पूर्णिमा को रंग, उत्साह, मस्ती और उल्लास का त्योहार मनाया जाता है। वसंत की हवा के झोंके, फागुन की मस्ती और रंगों का सुरूर जीवन को उत्साहित कर देता है। ऐसा लगता है कि प्रकृति भी हमारे साथ-साथ फागुन का मजा ले रही हो। फागुन का यही उत्सवी माहौल इसे अन्य महीनों से जुदा बनाता है और खास भी। कालजयी होते हैं पर्व, सदियों के बाद भी उनकी चमक और खनक कायम रहती है। होली एक ऐसा ही इन्द्रधनुषी त्योहार है, जिसका रंग वक्त के कैनवास पर अब तक चटक बना हुआ है।
दरअसल, आज जिसे हम होली के रूप में मनाने लगे हैं राजा-महाराजाओं के जमाने में वह मदनोत्सव बतौर आयोजित होने वाला भव्य-समारोह हुआ करता था। मदनोत्सव आखिर कब से होली बन गया, यह शोध का विषय है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सातवीं सदी तक संपूर्ण प्राचीन भारत में होली शब्द का नामोनिशान तक नहीं था। वस्तुत- जो भी था वह वसंतोत्सव या मदनोत्सव ही था।
मध्यकालीन युग के प्रारंभ होते ही संस्कृत भाषा अपना महत्व खोने लगी और भाषा के सरलीकरण के उन्हीं युगों में मदनोत्सव होली बन गया। शिव द्वारा कामदेव-दहन के प्रकरण को होलिका-दहन में बदल दिया गया। यद्यपि प्रह्लाद आख्यान तो बहुत प्राचीन है और होलिका जो बाद में पूतना बनी, उसका प्रकरण भी ज्ञात था तथापि प्राचीन भारत में होली त्योहार का और उससे होलिका का प्रह्लाद संबंध स्पष्ट नहीं था। संभवत- वैष्णव धर्म की लोकप्रियता के समय सातवीं-आठवीं सदी में इस संपूर्ण शैव- आख्यान यानी शिव द्वारा कामदेव-दहन को वैष्णव-जामा पहनाने के लिए नृसिंह या विष्णु-होलिका दहन के रूप में इस कथा का रूपांतरण कर दिया गया।

रघुवंश में ऋतु- उत्सव

कालिदास ने अपने रघुवंश में इसे ऋतु-उत्सव कहा। बसंत का आगमन ही एक नशा है, उन्माद है, सम्मोहन है। सम्राट हर्षवर्ध न ने अपने नाटक रत्नावली में मदनोत्सव का बड़ा ही नयनाभिराम वर्णन किया है- सातवीं सदी में धानेश्वर (हरियाणा) में यह मनाया जाता था। इसमें सभी नगरवासी आयु, स्तर, वर्ण के भेदभाव भूलकर विशाल राजकीय उद्यान में एकत्र होते थे, जहां नृत्य, संगीत, वाद्य एक अवर्णनीय समां बांध देते थे। सम्राट राजभवन में हाथी पर सवार होकर आते थे और उद्यान में अपनी पट्ट महिषी व अन्य रानियों के साथ प्रवेश करते थे। विविध वाद्यों का तुमुल घोष और रंगों की वष मन मोह लेती थी। इसके बाद न कोई सम्राट रह जाता था, न महारानी, न सेनानायक। नारियां निहत्थे पुरु षों को पकड़-पकड़कर उन पर पिचकारियों से सुगंधित जलयुक्त रंग डालती थीं। पुरु ष कृतकृत्य होते थे और केसर, गुलाल या अन्य सूखे रंगों की धूलि उन ललनाओं पर बिखेरते थे। यही वह अवसर था जब ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र की सीमा रेखाएं एकदम विलीन हो जाती थीं और उन्हीं के साथ समाप्त हो जाते थे मनुष्य से मनुष्य को अलग करने वाले धन, पद, सम्मान के रिश्ते। सभी रंगमय हो जाते थे।

विविध हास-परिहास

सम्राट हर्षवर्धन ने अपने दूसरे नाटक 'नागानंद' में भी मदनोत्सव का वर्णन किया है, जो रत्नावली जैसा ही है। हर्ष के राजकवि बाणभट्ट ने हर्षचरित में मदनोत्सव के समय विविध हास-परिहास का जिक्र किया है। दंडी ने अपने नाटक 'दशकुमारचरित' में मदन की पूजा के विधान का विधिवत उल्लेख किया है। इसके लिए अशोक वृक्ष को खूब सजाया जाता है। कामदेव की पूजा में पुष्पों का विशेष महत्व है साथ ही गन्ना, हरिद्रा, चंदन, इत्र, चावल, रेशम सहित उन वस्तुओं का अर्पण करना जो नर-नारी श्रृंगार-प्रसाधनों के लिए करते हैं। विशेष रूप से जिस रूप में कामदे व की दिन में पूजा की जाती, सधवा स्त्रियों से अपेक्षा थी कि रात्रि में अपने घर के एकांत में उसी तरह अपने पति की अभ्यर्थना करें, क्योंकि प्रत्येक पति एक कामदेव है, प्रत्येक पत्नी एक रति।

सिगमंड फायड का चिंतन

विद्या की देवी मां सरस्वती को समर्पित महापर्व बसंत पंचमी के उपरांत दस्तक देने वाला ऋतुराज से मदमाता मदनोत्सव ही अपने परिवर्तित रूप में आज रंगपर्व होली बनकर प्रचलित हो गया है। इस पर्व के प्रतीक देवता कामदेव के अनेक नाम हैं मसलन-मदन, मन्मथ, कन्दर्प, प्रद्युम्न, अनं ग, मकरध्वज, रतिपति, पुष्पधन्वा, रति नायक आदि। कमोवेश ये ही यूनानी दंतकथा के 'क्यूपिड' हैं। ये ही बौद्ध परंपरा के 'मार' हैं। ये ही सिगमंड फायड का संपूर्ण चिंतन हैं। ये ही हमारे चार पुरु षार्थों में से एक हैं, ये ही हमारी प्राणवायु हैं, हमारी मेधा-शक्ति हैं। उनकी आराधना का महापर्व मदनोत्सव यानी होली मैथुनी-सृष्टि की रचनाधर्मिंता के प्रति अहोभाव का प्रतीक है। इस चराचर ब्रह्मांड में केवल दो प्रजातियां हैं- एक कामदेव और दूसरी रति।
आश्चय है कि प्रत्येक नर-नारी के अंतर्मन में हर समय कोलाहल मचाते रहने वाले, यौनाचार से परिप्लावित इस विश्व के अधिष्ठाता कामदेव स्वयं एकनिष्ठ, एक पत्नीव्रत और सदाचारी हैं। इसीलिए नमनीय हैं , वंदनीय हैं। वाल्मीकि रामायण में सर्वप्रथम कामदेव की स्तुति में मदनोत्सव मनाए जाने का उल्लेख आया। जिसे भारत के प्राचीनतम और गौरवमयी त्योहारों में से एक माना गया। तब न होली थी और न होलिका, केवल यही बसंतोत्सव था। चैत्र की पूर्णिमा यानी मार्च-अप्रैल में यह पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता था। यह खु शियों की बहार का बेजोड़ समय होता है, जब शीतल मंद सुगंध पवन, हरियाली के भार से दबे पेड़, पीले सरसों से लहलहाते खेत, फूलों से लदे-फदे पौधे, सभी पशु-पक्षी, फूल-भंवरे, प्रकृति-ऋतु एक बारगी जवान हो उठते हैं। एक अजीब मादकता छा जाती है वातावरण में।

एक ही परिवार के 5 सदस्यों के शव नहर से बरामद

सूरत। सूरत के बारड़ोली में एक दिल दहला देनेवाली घटना सामने आई है। पिछले 17 दिनों से लापता व्यारा के एक परिवार के शव कार समेत नहर से बरामद हुए हैं। लापता परिवार की गुमशुदगी की पुलिस थाने में रपट दर्ज करवाई गई थी। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से क्षेत्र में मातम पसर गया है।

जानकारी के मुताबिक तापी जिले के व्यारा के कपूरा हाईस्कूल के बगल स्थित वृंदावन सोसायटी निवासी गामित परिवार के पांच सदस्य मारुति ईको कार में 28 फरवरी को कडोद स्थित मंदिर में दर्शन करने गए थे। जिसमें 65 वर्षीय जीवणभाई गामित, 62 वर्षीय शर्मीलाबेन गामित, 41 वर्षीय धर्मेश गामित, 36 वर्षीय सुनीता गामित और 6 वर्षीय ऊर्वी गामित शामिल थे। मंदिर में दर्शन करने के बाद परिवार के वापस नहीं लौटने पर रिश्ते-नातेदारों ने उनकी खोजबीन की, परंतु कोई खैर खबर नहीं मिलने पर स्थानीय पुलिस थाने में गुमशुदगी रपट दर्ज करवा दी। 17 दिन से लापता परिवार के सभी सदस्यों के फोन स्वीच ऑफ बता रहे थे। पांच सदस्यों के परिवार के अचानक लापता होने से रिश्ते-नातेदार उनकी लगातार खोजबीन कर रहे थे। इस बीच आज सुबह सूरत के बारडोली के मढी के निकट ईको कार नहर में पड़ी होने की खबर लगते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। खबर पाकर स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई/ फायर ब्रिगेड की टीम ने नहर में पड़ी कार बाहर निकाली। कार में एक बच्ची समेत पांच लोगों के शव सड़े-गले पड़े हुए थे। यह कपूरा गांव के लापता गामित परिवार होने का पुलिस जांच में खुलासा हुआ है।

डिंडोली में युवक ने लगायी फांसी

सूरत। डिंडोली इलाके स्थित नरोत्तम नगर निवासी युवक ने फांसी लगा ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली स्थित नरोत्तमनगर में सूर्य किरण अपार्टमेंट निवासी रविन्द्र प्रकाश पाटिल (36) लू स कारखाने में नौकरी कर पत्नी और एक पुत्र, एक पुत्री का गुजारा चलाता था। इस दौरान गत कुछ समय से रविन्द्र का काम ठीक से नहीं चलने से लोन पर लिया मकान की किश्त समय पर नहीं भर पाता था। घर में पत्नी को भी घर खर्च के लिए रुपए नहीं दे पा रहा था। इससे आर्थिक तंगी से तंग आकर रविन्द्र ने गत शाम घर में पंखे के साथ फांसी लगा ली। डिंडोली पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

फाल्गुन की पूर्णिमा होली के दिन डाकोर रणछोड़जी के मंदिर में धुलेटी मेले के लिए ५२ गज की ध्वजा के साथ पैदल यात्री दर्शन के लिए जा रहे हैं।

अल्पेश कथीरिया के समर्थकों ने हंगामा करने की चर्चा

पास के स्नेहमिलन कार्यक्रम में हार्दिक का विरोध और हंगामा

समाज को विश्वास में लिए बिना कांग्रेस में शामिल होने के पाटीदार समाज में भारी नाराजगी : लालजी पटेल

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में रविवार को बापूनगर क्षेत्र में पास के नेता और फिलहाल कांग्रेस में शामिल हुए हार्दिक पटेल के सम्मान और पास के कार्यकर्ताओं के स्नेहमिलन कार्यक्रम रखा गया, लेकिन चालू कार्यक्रम के दौरान ही अचानक अल्पेश कथीरिया के समर्थकों द्वारा हंगामा किए जाने की चर्चा काफी होने लगी है । क्योंकि, पूरे कार्यक्रम में हार्दिक के फोटो और पोस्टर लगे हुए थे लेकिन कहीं भी अल्पेश कथीरिया का फोटो नहीं था, जिसे लेकर पास के कार्यकर्ता नाराज हो गये और उन्होंने उग्र हंगामा करना शुरू कर दिया और हार्दिक का उग्र विरोध किया गया । एक समय

में हार्दिक के पोस्टरों को फाड़ने का प्रयास भी हुए थे । हालांकि एक समय में हार्दिक ने मध्यस्थता की थी । हार्दिक ने यह मामले में स्पष्ट किया कि, आज के समय में हरएक को अपना विरोध व्यक्त करने का अधिकार है । जिसे लेकर अब हार्दिक पाटीदार समाज में खुला विरोध सामने आ रहा है । शहर में रविवार को स्नेहमिलन कार्यक्रम में हार्दिक पटेल सहित के पास के सीनियर और नेता उपस्थित हुए और बड़ी संख्या में पास के कार्यकर्ता भी उपस्थित हुए ।

कार्यक्रम चालू था, इस दौरान अचानक कई कार्यकर्ताओं ने उग्र हंगामा और नारेबाजी शुरू की गई । देखते ही देखते में अन्य कार्यकर्ता भी इसमें शामिल हो गये और स्थल पर हाथापाई के दृश्य देखने को मिले । नाराज कार्यकर्ताओं का स्पष्ट नाराजगी हार्दिक पटेल के सामने थी और उन्होंने एक समय में हार्दिक के पोस्टरों को फाड़ने का प्रयास भी हुए थे ।

कार्यकर्ताओं की नाराजगी यह बात को लेकर सामने आई है कि, पोस्टर और फोटो में सिर्फ हार्दिक का ही फोटो क्यों है और अल्पेश कथीरिया के फोटो क्यों नहीं है जबकि आंदोलन की जिम्मेदारी कथीरिया के हाथ में है । एक समय में मामला बिगड़ने पर खुद हार्दिक पटेल सामने आ गये और उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाया था और परिस्थिति को काफी प्रयास के बाद शांत कराया ।

धार्मिक स्थानों से चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध

सूरत। गुजरात में 23 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान किया जाना है। इसके अन्तर्गत सूरत जिले के अतिरिक्त जिला मेजिस्ट्रेट एस.डी.वसावा ने चुनाव के मद्देनजर सूरत जिले के ग्रामीण विस्तारों में स्थित धार्मिक स्थलों से चुनाव प्रचार करने पर प्रतिबंध का घोषणापत्र जारी किया है। घोषणापत्र के अनुसार सूरत पुलिस कमिश्नर की हकुमत के अलावा जिले के ग्रामीण विस्तारों में चुनाव प्रक्रिया के दौरान 27 मई 2019 तक मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा जैसे धार्मिक स्थानों अथवा प्रार्थना स्थलों का चुनाव प्रचार के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

मोदी अगेन के बाद मैं भी चौकीदार टी शर्ट की धूम

सूरत। मोदी अगेन के बाद अब सूरत में मैं भी चौकीदार टी शर्ट ने धूम मचाई है। पिछले काफी समय से कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी हर मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टार्गेट करते हुए चौकीदार चोर बताते रहे हैं। जिसके जवाब में पीएम मोदी ने आज मैं भी चौकीदार एक गीत लोंच कर सोशल मीडिया में धूम मचा दी है। सूरत के मजूरा से भाजपा विधायक हर्ष संघवी ने इसे तुरंत लपकते हुए टी शर्ट के जरिए पीएम मोदी की बात लोगों तक पहुंचा दी। हर्ष संघवी ने सूरत के मोल और शोरूम को चौकीदारों को टी शर्ट दी है, जिस पर लिखा है मैं भी चौकीदार।

पीएम मोदी के मैं भी चौकीदार के स्लोगन वाली टी शर्ट की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। अब तक करीब 500 जितने चौकीदारों को ऐसी टी शर्ट का वितरण किया गया है।

चूनाव आयोग में शिकायत दर्ज होने पर चर्चा

मंत्री जयेश रादडिया के विरूद्ध आचारसंहिता भंग की शिकायत

विकास कार्यों के समाचार प्रकाशित करने पर ऑनलाइन एप्लीकेशन अर्जी के आधार पर शिकायत दर्ज की गई

अहमदाबाद,१७ मार्च ।

विकास के कार्यों के समाचार प्रकाशित करने पर कैबिनेट मंत्री जयेश रादडिया के विरूद्ध चूनाव आयोग में शिकायत हुई है, जिसे लेकर धोराजी-कंडोरणा क्षेत्र में काफी चर्चा हो रही है । चुनाव आचारसंहिता भंग करने पर ऑनलाइन एप्लीकेशन अर्जी के आधार पर यह शिकायत दर्ज होने से अब चुनाव आयोग ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है ।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, राज्य के कैबिनेट मंत्री जयेश रादडिया के विरूद्ध चूनाव आयोग की ऑनलाइन एप्लीकेशन पर आचारसंहिता भंग की शिकायत दर्ज की गई है ।

जयेश रादडिया ने धोराजी क्षेत्र में ४५ करोड़ रुपये के खर्च से तैयार होने वाले सड़क की मंजूरी कराने के समाचार प्रकाशित कराया था । इस मामले में चूनाव आयोग की ऑनलाइन एप्लीकेशन पर आचारसंहिता भंग की शिकायत दर्ज की गई है । जयेश रादडिया के विरूद्ध चूनाव आयोग में शिकायत दर्ज होने पर धोराजी-कंडोरणा क्षेत्र में काफी चर्चा हो रही है ।

धोराजी-जामकंडोरणा तहसील के ७ गांवों से गुजरता ५० किलोमीटर का सड़क ४५ करोड़ रुपये के खर्च से मंजूर कराया है यह विज्ञापन ७ गांवों में सरपंच ने दी । जिसकी वजह से कैबिनेट मंत्री जयेश रादडिया के विरूद्ध चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की गई है । फिलहाल चुनाव आयोग पूरे मामले में कार्रवाई कर रहा है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है ।

रविवार को गांधीनगर में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा लोकसभा चुनाव प्रभारी ओम माथुर, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी तथा प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी की उपस्थिति में लोकसभा चुनाव समिति की बैठक हुई ।

विरमगाम-साणंद हाइवे दुर्घटना में पांच से ज्यादा घायल

दो कार के बीच की दुर्घटना में लखतर भाजपा प्रमुख की मौत

घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई : भारतीय जनता पार्टी गलियारे में शोक की लहर फैल गई

अहमदाबाद,१७ मार्च ।

विरमगाम क्षेत्र के मालीया -अहमदाबाद हाइवे पर विरमगाम से साणंद के बीच स्थित जखवाडा के पास दो कार टकराने से घातक दुर्घटना हुई थी । जिसमें लखतर भाजपा के प्रमुख अजितसिंह राणा की मौत होने की जानकारी मिल रही है । हालांकि, पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है । इस दुर्घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । एक ओर भाज पा गलियारे में शोक की लहर फैल गई । इस गंभीर दुर्घटना में पांच से ज्यादा लोग घायल हो गए । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, मालीया -अहमदाबाद हाइवे पर विरमगाम से साणंद के बीच स्थित जखवाडा के पास जीजे १३-सीसी ९९८ और जीजे ३६-एफ ४७७८ नंबर की दो कार आमने-सामने टकरा गई थी ।

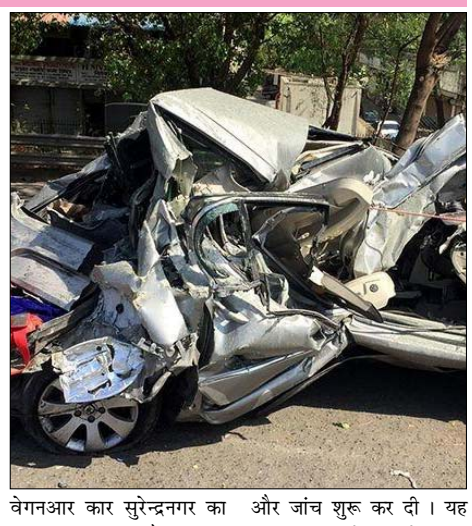

वेगन आर और हुन्डाई की कार के बीच हुई इस दुर्घटना में वेगनआर कार सुरेन्द्रनगर का पासींग वाली थी और इस पर लखतर भाजपा प्रमुख लिखा हुआ था, इसी वजह से यह दुर्घटना में लखतर भाजपा के प्रमुख अजितसिंह राणा की मौत होने की जानकारी मिल रही है । हालांकि, पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच और जांच शुरू कर दी । यह गंभीर दुर्घटना में पांच से ज्यादा व्यक्ति घायल हो गये, उनको तुरंत निकट के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया । हालांकि इस दुर्घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । एक ओर भाजपा गलियारे में शोक की लहर फैल गई ।

मोबाइल छिनैती के अमरोली, रांदेर और चौक बाजार पुलिस थाने में शिकायत दर्ज

सूरत। शहर के चौक बाजार, रांदेर और अमरोली पुलिस थाने में तीन मोबाइल स्नेचिंग की शिकायत दर्ज हुई है। चौक बाजार पुलिस की जानकारी के अनुसार वेडरोड बहुचरनगर जय भवानी कॉ पलेक्स में रहनेवाले अमित मालदेव सुवा गुरुवार को सुबह सात बजे वेडरोड हरिओम मील के सामने स्थित गायत्री फरसाण की दुकान के पास से गुजर रहा था वहीं बाइक पर आए दो अज्ञातों ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया और फरार हो गए। अमरोली पुलिस की जानकारी के अनुसार मोटा वराछा फायर स्टेशन के सामने सांकेत रो हाउस में रहनेवाला मनहरदान उमेदसिंग रोहडिया गत 11 मार्च को रात साढे दस बजे मोटा वराछा अब्रामा रोड तुलसी आर्केड के पास से फोन पर बातें कर जा रहा था। जबकि रांदेर पुलिस की जानकारी के अनुसार रामनगर श्रीनारायण एपार्टमेन्ट में रहनेवाला राहुल गोपाल सिंधी गत 13 मार्च को रात साढे दस बजे घर के समीप भारत स्टोर के पास से पैदल जा रहा था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**